EDU Journal of International Affairs and Research (EJIAR), ISSN: 2583-9993
Volume 3, Issue 2, April-June, 2024, Available at: https://edupublications.com/index.php/ejiar

बनारस के बस्ती और गैर-बस्ती क्षेत्रों की महिला उत्तरदाताओं में जनसंचार (रेडियो, टेलिविजन) तक पहुँच के स्तर और पोषण संबन्धित ज्ञान, व्यव्हार और दृष्टिकोण का अध्ययन

ज्योति गुप्ता[1], डॉ. माधवी पांडे[2]

[1]रिसर्च स्कॉलर, गृह विज्ञान विभाग, मानसरोवर यूनिवर्सिटी, भोपाल
[2]सहायक प्रोफ़ेसर, गृह विज्ञान विभाग, मानसरोवर यूनिवर्सिटी, भोपाल

सार

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य खाद्य सामग्री के खाद्य मूल्यों के ज्ञान को जागृत करना है, साथ ही महिलाओं में अधिक पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए उचित दृष्टिकोण को विकसित करना है जिससे परिवार में पौष्टिक भोजन की आदतों के लिए स्वस्थ प्रथाओं का विकास हो। इस उद्देश्य के लिए मास मीडिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसलिए बनारस के बस्ती और गैर-बस्ती क्षेत्रों की महिला उत्तरदाताओं में जनसंचार (रेडियो, टेलिविजन) तक पहुँच के स्तर और पोषण संबन्धित ज्ञान, व्यव्हार और दृष्टिकोण पर अध्ययन करना महत्वपूर्ण है । कुल 400 महिलाओं को वर्तमान अध्ययन के लिए जांच की इकाई के रूप में चुना गया. दोनों बस्ती और गैर-बस्ती क्षेत्रों में जनसंचार तक पहुँच सकने और नहीं पहुँच सकने वाली उत्तरदाताओं के बीच पोषण संबंधित औसत ज्ञान, व्यव्हार और दृष्टिकोण मे महत्वपूर्ण अंतर देखने को मिला।

परिचय

महिलाएं अपने सामाजिक सांस्कृतिक परिदृश्य में कुपोषण के खिलाफ एकाकी भूमिका निभा रही हैं। ऐसा नहीं है कि भोजन की महंगी सामग्री पौष्टिक है, जबकि कम लागत वाली सब्जियों व खाद्य सामग्री भी बच्चों और वयस्कों दोनों को बेहतर पोषक तत्व प्रदान कर सकती है। भोजन की आदतें आमतौर पर क्षेत्र, परिवार की आर्थिक स्थिति, संस्कृति और खाद्य उपलब्धता पर निर्भर करती हैं। अत: बच्चों और वयस्कों की आहार संबंधी आदत को प्रभावित करने में भी ये कारक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। शोधकर्ता के अनुसार यह न केवल दृष्टिकोण है जो सभी के लिए आवश्यक पौष्टिक भोजन की आदतों के लिए मायने रखता है, बल्कि भोजन के ज्ञान और इसके लिये भोजन के मूल्यों के बारे जानना भी ज़रूरी है, इसलिए भोजन संबंधी ज्ञान और दृष्टिकोण दोनों का अध्ययन किया जा सकता हैं जो भोजन की आदतों के बेहतर अभ्यास में मदद करें ।

इसलिए, वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य खाद्य सामग्री के खाद्य मूल्यों के ज्ञान को जागृत करना है, साथ ही महिलाओं में अधिक पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए उचित दृष्टिकोण को विकसित करना है जिससे परिवार

में पौष्टिक भोजन की आदतों के लिए स्वस्थ प्रथाओं का विकास हो। इस उद्देश्य के लिए मास मीडिया एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसलिए बनारस के बस्ती और गैर-बस्ती क्षेत्रों की महिला उत्तरदाताओं में जनसंचार (रेडियो, टेलिविजन) तक पहुँच के स्तर पर अध्ययन करना महत्वपूर्ण है ।

शोध के उद्देश्य: बनारस के बस्ती और गैर-बस्ती क्षेत्रों की महिला उत्तरदाताओं में जनसंचार (रेडियो, टेलिविजन) तक पहुँच के स्तर और पोषण संबन्धित ज्ञान, व्यव्हार और दृष्टिकोण का अध्ययन करना

शोध पद्धति

अध्ययन उत्तर प्रदेश के बनारस जिले के बस्ती और गैर बस्ती क्षेत्रों मे किया गया. स्लम और गैर-स्लम क्षेत्रों की 200-200 महिलाओं का चयन किया कुल 400 महिलाओं को वर्तमान अध्ययन के लिए जांच की इकाई के रूप में चुना जाएगा। शोधकर्ता ने वर्तमान अध्ययन के लिए साक्षात्कार अनुसूची (इंटरव्यू शेड्यूल) का उपयोग किया.

परिणाम एवं परिचर्चा

सारणी 1: दोनों क्षेत्रों में महिला उत्तरदाताओं का पहुँच से संबन्धित औसत ज्ञान

पहुँच/ कोई पहुँच नहीं		आवृत्ति	मान	एस.डी.	टी	पी
बस्ती	पहुँच कोई पहुँच नहीं	122 78	18.28 16.24	0.89 1.12	8.185	0.05 >
गैर बस्ती	पहुँच कोई पहुँच नहीं	188 12	19.14 12.9	0.97 1.04	9.375	0.05 >

उपरोक्त सारणी 1 दोनों क्षेत्रों में महिला उत्तरदाताओं की पहुँच के अनुसार औसत ज्ञान पर प्रकाश डालती है। बस्ती क्षेत्र में जिन महिलाओं को जनसंचार के साधन सुलभ थे, उनका औसत ज्ञान 18.28 था और जो महिलाएं इन साधनों तक नहीं पहुँच सकीं, उनका औसत ज्ञान 16.24 था। पहुँच सकने वाले और पहुँच नहीं सकने वाले उत्तरदाताओं के बीच बस्ती क्षेत्र में औसत ज्ञान के संबंध में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर देखा गया।

सांख्यिकीय रूप से गैर-बस्ती क्षेत्रों में पहुँच सकने और पहुँच नहीं सकने वाली उत्तरदाताओं के बीच महत्वपूर्ण अंतर देखने को मिला। यह अंतर 5 प्रतिशत के स्तर पर निर्णायक था।

सारणी 2: दोनों क्षेत्रों में पहुँच के अनुसार महिला अभ्यर्थियों का व्यवहार

पहुँच/ कोई पहुँच नहीं		आवृत्ति	मान	एस.डी.	टी	पी
बस्ती	पहुँच कोई पहुँच नहीं	122 78	67.52 54.98	5 0 .3 3.24	3.121	0.05 >
गैर बस्ती	पहुँच कोई पहुँच नहीं	188 12	65.46 52.3	5.16 4.82	4.403	0.05 >

उपरोक्त सारणी 2 दोनों क्षेत्रों में महिला उत्तरदाताओं के प्रदर्शन के अनुसार औसत व्यवहार पर प्रकाश डालती है। जनसम्पर्क के साधनों के संपर्क में आने वाले या संपर्क में नहीं आने वाले दोनों व्यवहारों का औसत स्कोर मान अधिक था। गैर-बस्ती क्षेत्रों की महिलाओं के लिए औसत स्कोर पर व्यवहार का प्रभाव पहुँच और पहुँच नहीं दोनों चरों के लिए महत्वपूर्ण था। इन परिणामों ने व्यवहार पर जनसंचार माध्यमों के प्रभाव को स्थापित किया।

सारणी 3: दोनों क्षेत्रों में पहुँच के अनुसार महिला अभ्यर्थियों का दृष्टिकोण

पहुँच/ कोई पहुँच नहीं		आवृत्ति	अर्थ	एसडी	टी	पी
बस्ती	पहुँच कोई पहुँच नहीं	122 78	63.84 54.36	3.11 5.89	7.905	>0.05
गैर बस्ती	पहुँच कोई पहुँच नहीं	188 12	59.46 47.28	57 . 3 04 . 5	108.6	>0.05

उपरोक्त सारणी 3 दोनों क्षेत्रों में महिला उत्तरदाताओं के प्रदर्शन के अनुसार औसत दृष्टिकोण पर प्रकाश डालती है। जिन लोगों को जनसम्पर्क तक पहुँच है, उनका औसत दृष्टिकोण 63.84 था और जिन्हें जनसम्पर्क तक पहुँच नहीं है

उनका औसत दृष्टिकोण 54.36 था। टी का मान 5 प्रतिशत के स्तर पर महत्वपूर्ण था, इसलिए उत्तरदाताओं के बीच औसत दृष्टिकोण के संबंध में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर देखा गया और बस्ती क्षेत्र में उत्तरदाताओं को कोई पहुँच नहीं है।

गैर-बस्ती क्षेत्र में जिन्हें पहुँच प्राप्त थी उनका औसत दृष्टिकोण 59.46 था और जिन्हें पहुँच प्राप्त नहीं थी, उनका औसत दृष्टिकोण 47.28 था। जिन्हें पहुँच प्राप्त थी और जिन्हें पहुँच प्राप्त नहीं थी, दोनों चारों वाली महिला उत्तरदाताओं के बीच औसत दृष्टिकोण के संबंध में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर देखा गया।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

[1]. पनगरिया, ए (2013, मई 2)। चाईलड मॉनुट्रिशन इन इण्डिया। द टाईमज ऑफ इंडिया, 14.
[2]. वेकफील्ड एट अल (2014) यूज ऑफ मास मीडिया केमपेन्स टू चेंग हेल्थ बिहावीयर। लेंसेट. 376(9748): 126–1271
[3]. वरटेनियणं (2015) द इम्पैक्ट ऑफ मास मीडिया इन फूड सेफ्टी एंड हेल्थ केयर इंटरनेशनल कॉन्फरेंस ऑन फूड सेफ्टी एंड रेगीलटरी मेशर्स, 17–19
[4]. ग्रजीओस (2016) डू मास मीडिया एंड मोबाईल टेक्नोलॉजी न्यूट्रिशन एजुकेशन केमपेन्स इमपरुव इंफेनत एंड यन्ग चाइल्ड फीडिंग नोलीज, एटिटूड एंड प्रकटीस इन द डेवेलोपिंग वर्ल्ड? अ सिस्टेमटिक रिव्यू ऑफ द एविडेंस। द मिइ जर्नल 891.4
[5]. राओ एट अल (2018) टीनेजर्स अंडरस्टैंडिंग एंड इन्फलुएंस ऑफ मीडिया कंटेन्ट ऑन देर डाईट एंड हेल्थ रिलेटेड बिहेवीयर। जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन एंड डाईटिक्स। 4:9